Literacy for a Billion

Movie: Tare zameen par
Year: 2007

Song: Chhu lu main Itna kareeb
Lyricist:

छू लूँ मैं इतना करे
चल पड़ो तो कितना दूर
हु...
छू लूँ मैं इतना करे
चल पड़ो तो कितना दूर
सपनों का बुना स्वेटर सा वर्ल्ड
सफेद बादलों के पार
मेरा जहाँ

अकेला नहीं मैं
खुली आँखों से नींद में चलता
गिरता ज़्यादा कम सँभलता
अकेला नहीं मैं
खुली आँखों से नींद में चलता
गिरता ज़्यादा कम सँभलता
फिर भी ना कोई शक ना शुहबा

निकलेगा फिर से सूरज जो डूबा
हैरत हो सबको ऐसा अजूबा
है मेरा जहाँ

उड़ने को सौ पंख दिए है
चढ़ने को खुला आसमान
मुड़ने को है करवट करवट
और बढ़ने को मेरा जहाँ
बचपन के दिन चार
ना आएँगे बार बार
जी ले जी ले मेरे यार
जेब खाली तो उधार ची ज़िंदगी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.